











## आर्थिक तंत्र पर बोझ बनती प्राकृतिक विषदाएं

आपदा सदैव अनपेक्षित घटना होती है। जो मानवीय नियंत्रण से सदैव से बहर होती है। प्राकृतिक आपदा अत्यं समय में बिना किसी पूर्व सूचना के परित होती है, जिससे मानव जीवन के सारे नियंत्रक अवश्य हो जाते हैं। आपदा की विद्युतपाता, भायनक स्पर्श एवं निरंतर समान जीवन और समाज और देश को बड़ी हानि पहुंचकर उस देश की आर्थिक स्थिति में गहरी घोट करते हैं राष्ट्र को आर्थिक रूप से बहुत पोषक खो ले जाते हैं। आपदा प्रबन्धन में जापान से सीख ली जा सकती है। क्योंकि जापान आपदा प्रबन्धन में विश्व में अग्रणी देश माना जाता है। जापान वृद्धी के एसे क्षेत्र में अवधारणा, जहाँ खेप, जातामुखी जैसी प्राकृतिक आपदाएँ सही आती रहती हैं। जापान में आपदा प्रबन्धन की अत्यधिक तकनीक को योकोहामा रणनीति कहा जाता है। जापान में आपदा प्रबन्धन की साल भर नियमित रूप से भौमिकरण के एक्सप्रेसाइडर्स की जाती रहती है, एवं आपदाओं पर निरंतर नियंत्रण नहीं जरूर रखी जाती है। एवं इसके बाद जलवाया के लिए पूर्वी रूप से ही सुनियोजित योजना बनाकर कोई सुविधित कर लिया जाता है। भारत को भी इसी तरह आपदा प्रबन्धन को अनावश्यक अन्य आपदाओं के साथ समान होकर कारबाही की जानी चाहिए। आपदाओं के प्रति मानवीय सम्भाव्यता के संरक्षण में समाज का सबसे सेवनीय लक्ष्य तभी हो सकता है, जिसमें जापान में खेप, बच्चों, लोगों को प्राकृतिक आपदाओं से संबंधित यथा जाना रहता है। आपदा के समय सबसे ज्यादा निम्न आय वर्ग के व्यक्ति यथा मजदूर तकों के व्यक्ति प्रभावित होते हैं उनकी दिनवार्या सामूहिक रूप से छिन्न-फिस हो जाती है। आर्थिक साधन भी नहीं होती है, जिससे उस आजीविका को एक बड़ी विडान सताने लायी है। भारत को भू-भाग का लगाव 58 : बेत्र खेप के बाहर खेप साधन लाने के लिए जिसमें जापान में खेप, खेप की व्यापारिकता की व्यापारिकता की संभावना सदैव बढ़ी रहती है। आपदा के साथ समाज का सबसे सेवनीय लक्ष्य तभी हो सकता है। जिसमें जापान के लिए उनकी व्यापारिकता की व्यापारिकता की संभावना रहती है। यहाँ नहीं, अधिकांश वैज्ञानिकों का मानना है कि आजीवन परत के बिना पृथ्वी पर जीवन की अस्तित्व की जीवन पर नहीं बरेगा।

## योगेश कुमार गोयल

**1** 6 सितंबर 1987 को मॉन्टेन्युल में ओजोन परत के बीच को रोकने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, जिसमें उन रसायनों के प्रयोग को रोकने से संबंधित महत्वपूर्ण समझौता किया गया था, जो ओजोन परत में छिद्र के लिए उत्तरदायी माने जाते हैं। ओजोन परत कैसे बनती है, वह किन्तु तेजी से कम हो रही है और इसकी कोई रोकने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं, इसी संबंध में जायाकृत पैदा करने के लिए 1994 से प्रतिवर्ष 'विश्व ओजोन दिवस' मनाया जा रहा है कि इन्हीं वित्त की बात यह है कि पिछले कई वर्षों से ओजोन दिवस मनाए जाते रहने के बाबजूद ओजोन परत की मोटाई कम हो रही है।

प्रतिवर्ष एक विशेष थीम के साथ यह महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है। विश्व ओजोन दिवस 2024 का विषय है 'मॉन्टेन्युल प्रोटोकॉल-जलवायु कारबाही को अगे बढ़ाना'। विश्व ओजोन दिवस का यह विषय ओजोन परत की रक्षा करने और वैश्विक स्तर पर व्यापक जलवायु कारबाही पहलों को आगे बढ़ाने में मॉन्टेन्युल प्रोटोकॉल की महत्वपूर्ण भूमिका को दर्शाता है। विश्व ओजोन दिवस हमें स्पष्ट करता है कि पृथ्वी पर जीवन के लिए ओजोन परत आवश्यक है और विंतानक बात यह मानी



गई थी कि कुछ देशों में जीवाश्म इंधन पर संस्कृति भी दी जा रही है। भारत ने हरित ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य 2027 तक 47 फीसदी रखा है और 2030 तक साथी तरफ से भारत की मानवीय विकास नहीं है कि इन्हीं देशों पर जलवायु परिवर्तन से निपटने के जागरूकी की समीक्षा पर आधारित एक रिपोर्ट में कुछ समय पहले कहा गया था कि इन्हीं देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्पर्जन में कटौती की अपेक्षा की जा रही है। जहाँ तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक ग्रीन हाउस गैसों के उत्पर्जन की तीव्रता में 35 रेसीडंसी है और 2050 तक साथी तरफ से भारत की मानवीय विकास नहीं है कि इन्हीं देशों के लिए उत्पादन का जीवाश्म ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिंगड़ता है, सर्वियां अनियमित रूप से आती हैं, जब सूर्य के पर्यावरण में जायें और जीवन परत के कार्यक्रम के लिए उत्पादन का जीवाश्म ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा।

विश्व के अधिकांश क्षेत्रों में जाज जलवायु परिवर्तन के चलते विनाश का जो दैर देखा जा रहा है, उसके लिए काफी हृद तक ओजोन परत की कमी मुख्य रूप से जिम्मेदार है और हमें अब यह भी भली-भाली समझ लेना चाहिए कि हमारी लापत्ताएँ और पर्यावरण में ग्रीन हाउस गैसों के देशों के लिए दुनियाभार में कठीन 12 करोड़ लोग विष्यापित होंगे। ओजोन परत के सुरक्षित न होने से मनुष्यों, पृथ्वी और यहाँ की जीवाश्म प्रभाव पड़ना चाहिए। यही नहीं, अधिकांश वैज्ञानिकों का मानना है कि ओजोन परत के बिना पृथ्वी के जीवन पर नहीं बरेगा।

पर जीवन का अस्तित्व ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बरेगा। ओजोन परत वातावरण में बनती है। जब सूर्य से पर्यावरणी के किरणों ऑक्सीजन परसायुज्यों के लिए उत्पादन में ऊर्जी सह यह परमाणु ऑक्सीजन से टकराती है तो उच्च ऊर्जा ऑक्सीजन के साथ यह भी है और ये परमाणु ऑक्सीजन के लिए उत्पादन का जीवाश्म ही समाप्त हो जाता है। ओजोन परत के बिना पृथ्वी के जीवन पर नहीं बरेगा। ओजोन परत सूर्य से निकलने से एक फ्लिटर के रूप में कार्य करता है। सूर्य विकिरण के साथ आने वाली परावैज्ञानिकों के किरणों का मानना अनु बनते हैं। ओजोन परत के बिना पृथ्वी के धरातल से 20-30 किमी की ऊंचाई पर प्राकृतिक संतुलन बिंगड़ता है, सर्वियां अनियमित रूप से आती हैं, जबकि यह भी अस्तित्व के लिए उत्पादन के बिना पृथ्वी के धरातल से 20-30 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्पर्जन में कटौती की अपेक्षा की जा रही है। जहाँ तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक 47 फीसदी रखा है और 2050 तक साथी तरफ से भारत की मानवीय विकास नहीं है कि इन्हीं देशों के लिए उत्पादन का जीवाश्म ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिंगड़ता है, सर्वियां अनियमित रूप से आती हैं, जबकि यह भी अस्तित्व के लिए उत्पादन के बिना पृथ्वी के धरातल से 20-30 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्पर्जन में कटौती की अपेक्षा की जा रही है। जहाँ तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक 47 फीसदी रखा है और 2050 तक साथी तरफ से भारत की मानवीय विकास नहीं है कि इन्हीं देशों के लिए उत्पादन का जीवाश्म ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। ओजोन परत के बिना पृथ्वी के धरातल से 20-30 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्पर्जन में कटौती की अपेक्षा की जा रही है। जहाँ तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक 47 फीसदी रखा है और 2050 तक साथी तरफ से भारत की मानवीय विकास नहीं है कि इन्हीं देशों के लिए उत्पादन का जीवाश्म ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिंगड़ता है, सर्वियां अनियमित रूप से आती हैं, जबकि यह भी अस्तित्व के लिए उत्पादन के बिना पृथ्वी के धरातल से 20-30 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्पर्जन में कटौती की अपेक्षा की जा रही है। जहाँ तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक 47 फीसदी रखा है और 2050 तक साथी तरफ से भारत की मानवीय विकास नहीं है कि इन्हीं देशों के लिए उत्पादन का जीवाश्म ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। ओजोन परत के बिना पृथ्वी के धरातल से 20-30 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्पर्जन में कटौती की अपेक्षा की जा रही है। जहाँ तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक 47 फीसदी रखा है और 2050 तक साथी तरफ से भारत की मानवीय विकास नहीं है कि इन्हीं देशों के लिए उत्पादन का जीवाश्म ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिंगड़ता है, सर्वियां अनियमित रूप से आती हैं, जबकि यह भी अस्तित्व के लिए उत्पादन के बिना पृथ्वी के धरातल से 20-30 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्पर्जन में कटौती की अपेक्षा की जा रही है। जहाँ तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक 47 फीसदी रखा है और 2050 तक साथी तरफ से भारत की मानवीय विकास नहीं है कि इन्हीं देशों के लिए उत्पादन का जीवाश्म ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिंगड़ता है, सर्वियां अनियमित रूप से आती हैं, जबकि यह भी अस्तित्व के लिए उत्पादन के बिना पृथ्वी के धरातल से 20-30 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्पर्जन में कटौती की अपेक्षा की जा रही है। जहाँ तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक 47 फीसदी रखा है और 2050 तक साथी तरफ से भारत की मानवीय विकास नहीं है कि इन्हीं देशों के लिए उत्पादन का जीवाश्म ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन बिंगड़ता है, सर्वियां अनियमित रूप से आती हैं, जबकि यह भी अस्तित्व के लिए उत्पादन के बिना पृथ्वी के धरातल से 20-30 देशों ने ग्रीन हाउस गैसों के उत्पर्जन में कटौती की अपेक्षा की जा रही है। जहाँ तक भारत की बात है तो भारत ने 2030 तक 47 फीसदी रखा है और 2050 तक साथी तरफ से भारत की मानवीय विकास नहीं है कि इन्हीं देशों के लिए उत्पादन का जीवाश्म ही समाप्त हो जाएगा और पानी के नीचे का जीवन भी नहीं बचेगा। ओजोन परत की कमी से प्राकृतिक संतुलन ब

## हायना ने तैतीस भेड़ों पर हमला कर सुलाया मौत के घाट

► ग्रामीणों को रात में निकलने पर लगाई गयी रोक, बाढ़ के बाद झुंड में टहल रहे लकड़ग्राह, वन विभाग की टीम कर रही पेट्रोलिंग, डीआईजी व कमिशनर ने मौके पर जाकर लिया जायज़।

मौदहा (हमीरपुर), समृद्धि न्यूज़।

जिले में लकड़ग्राह (हायना) की चहलकदमी से ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है, मौदहा क्षेत्र के पाटनपुर गांव में शनिवार को देह रात तैतीस भेड़ों को शिकार बनाने के बाद बन विभाग ने ग्रामीणों को रात में खेतों में निकलने पर रोक लगाया दी है, बैने रेंजर का कहना है कि हायना किसी भी व्यक्ति पर किसी समय हमला कर सकता है। घटना के बाद कमिशनर डीआईजी व बन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर घटना का जायज़ लिया है।

प्रभागीय बनाधिकारी (डीएफओ) एक श्रीवास्तव ने रिवायर को बताया कि गांव में गयवीन पाल का पशुबोड़ा घर से चंदकदम दूर पर है पशुबोड़ा एक तरफ खुला होने के कारण लकड़ग्राह झुंड के साथ बुलकर भेड़ों पर आक्रमण कर दिया और करीब पच्चीस भेड़ों व बारह भेड़ों को धायल कर कर दिया और टीम के साथ निरीक्षण किया और टीम के साथ दीपक ने तमचे से फायर किया। जिससे उसके भाई नितिन राजपूत की हाथ में गोली लगी तो पास खड़े नितिन उर्फ़ माता राजपूत गुटकारा थाना जरिया के क्षेत्र पर गोली के छर्के लग गए। घायलों को फ्राइम के लिए सीधरी ले जाया गया। जहाँ डॉ बंदेश्वर सिंह ने नितिन को मैटिकल कालेज उर्फ़ रेफर कर दिया है। कोठाल उमेश सिंह ने बताया कि घायल नितिन के भाई की तरहीर पर धीपक मौत की गुरुर की रुक्मि दर्ज किया है। अभियुक्तों को जल विभाग कर जेल भेज दिया जाएगा।

### खबरें एक नजर में

तमचे से फायर करने के बाद दो घायल, रिपोर्ट दर्ज

रात (हमीरपुर), समृद्धि न्यूज़। पुराने विवाद को एक युक्ति ने तमचे से फायर कर दिया। जिससे दो लागू भीरु तरज जारी हो गये पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। जरिया थाने के क्षेत्रों का लोकार्पानी वार्षीय गण राजपूत ने बताया कि शनिवार को उसका भाई व्यक्ति नितिन राजपूत रात के उर्फ़ स्टैट रामग्राम बीची के पास बांधकाम पर बैठा था। उसी पुराने विवाद को लेकर जरिया थाने के नितिन राजपूत की तमचे से फायर किया। जिससे उसके भाई नितिन राजपूत की हाथ में गोली लगी तो पास खड़े नितिन उर्फ़ माता राजपूत गुटकारा थाना जरिया के क्षेत्र पर गोली के छर्के लग गए। घायलों को फ्राइम के लिए सीधरी ले जाया गया। जहाँ डॉ बंदेश्वर सिंह ने बताया कि घायल नितिन के भाई की तरहीर पर धीपक मौत की गुरुर की रुक्मि दर्ज किया है। अभियुक्तों को जल विभाग कर जेल भेज दिया जाएगा।

### पदाधिकारियों को किया सामना

रात (हमीरपुर), समृद्धि न्यूज़। रिवायर को रोडीमेड गारमेंट्स वेलफेर एसोसिएशन द्वारा एक समान सम्पर्क आयोजित किया गया। जिसमें रोडीमेड के अध्यक्ष मनोज सोनी ने उत्तरांग व्यापार मंडल के निर्वाचित प्रांतीय मंत्री कैलाश चंद्र अग्रवाल विदेशी प्रतीक गुरु गुसा एवं जिलाध्यक्ष केजी अग्रवाल का माला पहनकर समान किया। इस द्वारा नवायार मंडल के निर्वाचित प्रांतीय मंत्री कैलाश चंद्र अग्रवाल को भी सम्मानित किया गया। जिलाध्यक्ष केजी अग्रवाल को 8 व 9 सिरेबर को आग्रांग एवं प्रतीक गुरु गुसा को प्रांतीय अध्यक्ष के अधिकारी घोषित किया गया। जिसके मुख्य उपरांग उत्तरांग व्यापार के अधिकारी ने फूल माला पहनकर निर्वाचित प्रांतीय पदाधिकारियों का समान किया। इस मौके पर सैकड़ों रोडीमेड गारमेंट्स के व्यापारियों ने मालाना किया।

रहस्यमय तरीके से किशोरी गायब, मुकदमा दर्ज

मौदहा (हमीरपुर), समृद्धि न्यूज़। रिवायर को रोडीमेड गारमेंट्स वेलफेर एसोसिएशन द्वारा एक समान सम्पर्क आयोजित किया गया। जिसमें रोडीमेड के अध्यक्ष मनोज सोनी ने उत्तरांग व्यापार मंडल के निर्वाचित प्रांतीय मंत्री कैलाश चंद्र अग्रवाल विदेशी प्रतीक गुरु गुसा एवं जिलाध्यक्ष केजी अग्रवाल का माला पहनकर समान किया। इस द्वारा नवायार मंडल के निर्वाचित प्रांतीय मंत्री कैलाश चंद्र अग्रवाल को भी सम्मानित किया गया। जिलाध्यक्ष केजी अग्रवाल को 8 व 9 सिरेबर को आग्रांग एवं प्रतीक गुरु गुसा को प्रांतीय अधिकारी घोषित किया गया। जिसके मुख्य उपरांग उत्तरांग व्यापार के अधिकारी ने फूल माला पहनकर निर्वाचित प्रांतीय पदाधिकारियों का समान किया। इस मौके पर सैकड़ों रोडीमेड गारमेंट्स के

व्यापारियों ने मालाना दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

### पेट्रोल पंप कर्मचारी के साथ मारपीट

मौदहा, हमीरपुर, समृद्धि न्यूज़। रेत रात पेट्रोल पंप से घर जा रहे पेट्रोल पंप कर्मचारी के साथ गांव में वार ने माला का गुप्तमेंद्र निर्वाचित प्रांतीय मंत्री कैलाश चंद्र अग्रवाल को आग्रांग एवं प्रतीक गुरु गुसा को प्रांतीय अध्यक्ष का दायित्व सौंपा। जिसके बाद विभागीय घटना के लिए गोली लगी।

रहस्यमय तरीके से किशोरी गायब, मुकदमा दर्ज

मौदहा (हमीरपुर), समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। आगा बीते के एक गांव निवासी ग्रामीणों की तहीर एवं अपराध में शनिवार को आग्रांग एवं प्रतीक गुरु गुसा को आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश्वरों के द्वारा नहीं पर न्यायालय द्वारा कुर्की का आदेश

कुरुगांव, समृद्धि न्यूज़। अपने निरेश









